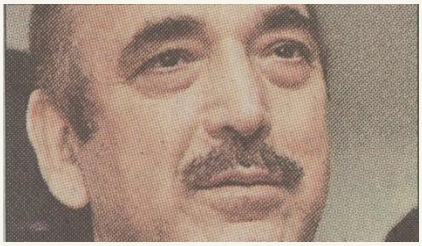

अंगदान से बच सकती हैं लाखों जान : आजाद

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री गुलाम नबी आजाद ने शनिवार को कहा कि देश में अंगदान के प्रति एक वातावरण तैयार करके और लोगों में इसके प्रति जागरुकता पैदा करके हर साल लाखों जरूरतमंद रोगियों को नया जीवन दिया जा सकता है।

आजाद यहां दो दिवसीय 'अंतरराष्ट्रीय अंगदान सम्मेलन-2010' का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में छठा और भारत में बहला अंगदान दिवस मानाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्धेश्य लोगों में अंगदान के प्रति जागरुकता पैदा करना और जरूरतमंद रोगियों को प्रत्योरोपण के लिए अधिक से अधिक संख्या में अंग उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दुनिया में अनेक विकसित देशों की जनसंख्या बहुत ही कम है लेकिन वहां लोगों में अंगदान के प्रति भारी जागरुकता है जिसके कारण प्रत्यारोपण के लिए अंगों की कमी नहीं होती जबकि हमारे देश की इतनी अधिक जनसंख्या होने के बावजूद जागरुकता के अभाव में जरुरतमंद लोगों को प्रत्यारोपण के लिए अंग उपलब्ध नहीं हो पाते। आजाद ने कहा कि देश में जागरुकता के भारी अभाव और कई मिथक के चलते अंगदान की अवधारणा अभी तक प्रबल नहीं हुई है। **(भाषा)**